संस्कृति–संस्कार से परदेश में चमका सितारा

यूरोप की भांति वैभव वाले देश आस्ट्रेलिया में बसा भारतीय समुदाय आज भी अपनी जड़ों से काफी करीब से जुड़ा है। सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने से लेकर भारतीयता के रंग में रंगने तक के आयोजनों में भारतीयता की अलमस्त छाप दिखाई देती है। भारतीय प्रवासियों की बड़ी आबादी यहां दो सौ वर्षों से न सिर्फ निवास कर रही है बल्कि अपनी काबिलियत से देश का गौरवगान भी कर रही है।

मुहम्मद रईस ● वाराणसी

विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी की मेधा ने समय-समय पर न सिर्फ खुद को साबित किया, बल्कि विश्व फलक पर स्थापित भी किया है। जरा सी आजमाइश और प्रतिस्पर्धा अच्छे भलों के हौसले डिगा देगी है, वहीं बनारस में पले-बढ़े और बनारस को जीने वाले डा. आशुतोष ने मुश्किल हालत में धैर्य नहीं खोया। संस्कृति और संस्कार संग खुद पर भरोसे की बदौलत उन्होंने दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के समक्ष चुनौती पेश की।

डा. आशुतोष जब वर्ष 2007 में आस्ट्रेलिया पहुंचे तो उनके पास न तो नौकरी थी न ही कोई स्थाई ठौर। साथ था तो बस भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में काम करने का अनुभव, बीएचयू-जेएनयू की डिग्री व संयुक्त राष्ट्र संघ का तजुर्बा। आस्ट्रेलिया के कई विवि को आवेदन भेजे। अधिकांश से पलट कर कोई जवाब भी न मिलता। ऐसा हो भी क्यों न। उनका मुकाबला हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड और कैंब्रिज से डिग्री लेकर आए अभ्यर्थियों संग था। पिता की नसीहत और संस्कार के संबल ने कभी निराश न होने दिया। प्रयास लगातार जारी रहा।

आखिरकार शिक्षा व अनुभव को देखते हुए ग्रिफिथ विवि ने ऑफर दिया। यहीं से उनकी विकास यात्रा की शुरुआत हुई। वर्तमान में आशुतोष आस्ट्रेलिया में सबसे नामी-गिरामी दक्षिण एशियाई विशेषज्ञों में गिने जाते हैं। उनकी राय विदेश मंत्रालय सहित क्वींसलैंड स्टेट व अन्य प्रांतों के लिए मायने रखती है।

पिता के लिए छोड़ दी नौकरी: जेएनयू से पीएचडी मुकम्मल करने के बाद डा. आशुतोष को संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ काम करने का मौका मिला। इंटरनेशनल लीडरशिप एकेडमी, जार्डन में बतौर प्रोग्राम आफीसर डेढ़ वर्ष सेवाएं दी। इसी दौरान कैंसर पीड़ित पिता रमेश चंद मिश्रा की तबीयत बिगड़ी। इस पर इस्तीफा देकर आशुतोष परिवार समेत बनारस आ गए। हालांकि उन्हें बचाया नहीं जा सका, लेकिन आशुतोष ने एक आदर्श बेटे का दायित्व बखूबी निभाया। इसके बाद करीब एक साल वे बनारस में रहे। यहां डीआइजी कालोनी में उनके आवास पर अवैध कब्जा जमाने की कोशिशें भी की गई। तत्कालीन आवास विकास मंत्री लालजी टंडन के हस्तक्षेप से मामला सुलझा।

आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरीज पेन संग डा आशुतोष व पत्नी श्वेता ● जागरण

आइएआइई की स्थापना है बड़ी उपलब्धि

आस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को मजबूती देने के लिए भारत सरकार के सहयोग से ब्रिस्बेन में आइएआइई (इंस्टीट्यूट फॉर आस्ट्रेलिया–इंडिया इंगेजमेंट) की स्थापना को आशुतोष अपनी बड़ी उपलब्धि मानते हैं। सितंबर 2018 में इसका उद्घाटन भारतीय राजदूत डा. एएम गोंडान ने किया। इंस्टीट्यूट के सीईओ व एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद डा. आशुतोष सुशोभित कर रहे हैं। वहीं पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इसके गुडविल एंबेस्डर फार इंडिया बने हैं। डा. आशुतोष कहते हैं कि, 'यह आस्ट्रेलिया का पहला स्वतंत्र संस्थान है, जो दोनों देशों के बीच शैक्षणिक व व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में कार्य करेगा। 2007 में ग्रिफिथ एशिया इंस्टीट्यूट में इंडिया व साउथ एशिया प्रोग्राम का इंचार्ज बना था। इस दौरान आस्ट्रेलिया सरकार के सेंटर फार एक्सिलेंस इन पुलिसिंग एंड सिक्योरिटी का एमओयू सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस एकेडमी के साथ कराया। वहीं एनआइए के साथ काउंटर टेररिज्म व सीबीआइ के साथ पोस्ट करप्शन में दोनों देशों के बीच को–ऑपरेशन भी कराया।

आस्ट्रेलिया के छात्र इंडिया में कर सकेंगे लॉ प्रैक्टिस

वर्ष 2015 में इंडिया फेलों के तौर पर क्वींसलैंड विवि ज्वाइन करने के बाद आशुतोष ने इसका जेएनयू के साथ एमओयू रिएक्टिवेट कराया। साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया से एक्रिडेशन एप्रूव कराया, जिसका फायदा आस्ट्रेलिया के 15 शीर्ष लॉ कालेज को भी हुआ। इसका नतीजा ये रहा कि अब आस्ट्रेलिया से पढ़ाई करने वाले लॉ के छात्र इंडिया में और इंडिया से पढ़ाई करने वाले आस्ट्रेलिया में लॉ प्रैक्टिस कर सकेंगे।

किताबें लिखने का भी है शौक

समसामयिक विषयों को पढ़ने के साथ ही आशुतोष लिखने का भी शौक रखते हैं। अभी तक वे चार किताबें लिख चुके हैं। वर्ष 2010 में उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी ने उनकी किताब 'इंडिया–पाकिस्तान : कमिंग टू टर्म्स' का विमोचन किया था।

पसंद है पूड़ी–कचौड़ी और जलेबी

आशुतोष भले ही आस्ट्रेलिया में रह रहे हों, मगर उनके जेहन में बनारस रचा–बसा है। बनारस आने पर आशुतोष पूड़ी–कचौड़ी, जलेबी, लौंगलता, लस्सी व ठंडई का लुत्फ उठाना नहीं भूलते।

शैक्षणिक सफर

प्राइमरी शिक्षा छावनी स्थित सेंट मेरिज से हासिल करने के बाद इंटर की परीक्षा सीएचएस कमच्छा से उत्तीर्ण की। इसके बाद स्नातक के लिए बीएचयू में दाखिला लिया। वर्ष 1990 में सामाजिक विज्ञान संकाय से इतिहास विभाग से परास्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की और गोल्डमेडलिस्ट भी रहे। वहीं आगे की पढ़ाई के लिए जेएनयू चले गए। यहां भारत–पाक रिलेशनशिप पर पीएचडी कंप्लीट की।

प्रवासियों को जोड़ रही 'इंडियन डिप्लोमेसी'

जासं, वाराणसी : प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन को अब महज दो सप्ताह शेष है। मगर अब प्रवासी भारतीय दिवस में शामिल होने के लिए प्रवासियों को दस जनवरी तक का मौका देने के बाद वैश्विक स्तर पर गतिविधियां फिर से शुरू हैं। विदेश मंत्रालय की सार्वजनिक कूटनीतिक सोशल मीडिया प्रोफाइल से इन दिनों देश दुनिया को जोड़ने के लिए प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन की जानकारियां साझा की जा रही हैं। वाराणसी में 21–23 जनवरी 2019 तक आयोजित होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन के मद्देनजर पिछले सम्मेलनों से भी कुछ दिलचस्प विवरण साझा किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रवासी भारतीय सम्मेलन के लिए विदेश मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडलिंग के अतिरिक्त वाराणसी प्रशासन की गतिविधि भी अब दिखने लगी है। वाराणसी में पर्यटन को बढावा देने को पर्यटक स्थलों की भी जानकारी दी जा रही है। भारतीय दूतावासों की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इसकी वेबसाइट का लिंक साझा किया जा रहा है।

भारत–आस्ट्रेलिया

दस्तावेजों में भारतीयों का इतिहास

ऑस्ट्रेलियाई दस्तावेजों में दर्ज रिकार्ड के अनुसार वर्ष 1800–1816 के वर्षों में भारतीयों का एक छोटा समूह ऑस्ट्रेलिया में आया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा भारतीयों को मजदूरों के रूप में भेजा गया था। 19वीं शताब्दी के पहले 60 वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलिया में पहुंचने वाले अधिकांश भारतीयों को ब्रिटिश सरकार द्वारा मजदूर के रूप में भर्ती किया गया था। बाद में वे ऑस्ट्रेलिया में ही बस गए। 19वीं शताब्दी के अंतिम चार दशकों में विशेषकर सिख और पंजाब के मुस्लिम, न्यू साउथ वेल्स के उत्तरी तट पर खेतिहर मजदूर, फेरीवाले या व्यापारी के रूप में बस गए। हालांकि आज वह सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

बीसवीं सदी में भी प्रवास जारी

20वीं शताब्दी की शुरुआत में, ऑस्ट्रेलियाई दस्तावेजों में लगभग 6500–7000 भारतीयों की उपस्थिति दर्ज है। यह आंकड़ा द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद तक बना रहा। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, बड़ी संख्या में एंग्लो–भारतीय ऑस्ट्रेलिया बस गए। भारत से आव्रजन की अगली अवधि 1966 के बाद शुरू हुई, जिसमें भारत के शिक्षकों, डॉक्टरों और अन्य पेशेवरों की आमद दर्ज की गई। अस्सी के दशक से बड़ी संख्या में भारतीय सॉफ्टवेयर पेशेवर ऑस्ट्रेलिया में पहुंचने लगे।

आस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त हरिंदर सिद्धू संग डा. आशुतोष ● जागरण

- 2011 की जनगणना के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में लगभग 295362 भारतीय थे
- वर्ष 2011–12 में कुल प्रवास का 15.7 फीसद हिस्सा भारतीयों का
- ऑस्ट्रेलिया में कुल पंजीकृत आठ भारतीय संघ

भारतीय संस्कृति का वजूद

आस्ट्रेलिया के सभी राज्यों और प्रमुख शहरों में भारतीय समुदायों के संगठन मौजूद हैं। यहां राज्यों में भारतीय संघों के छात्र संघ भी मौजूद हैं। सभी प्रमुख शहरों में कई भारतीय भाषाओं के प्रकाशन, रेडियो पर भारतीय भाषा कार्यक्रम, भारतीय भाषा विद्यालय और भारतीय नृत्य विद्यालय भी हैं। जिनके जरिए भारतीय समुदाय ने अपनी सांस्कृतिक विरासतों को भी संजो रखा है। यहां विविध भारतीय भाषाओं में चालीस से अधिक रेडियो व टीवी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। जबकि भारतीयों द्वारा करीब तीस प्रकाशन किए जा रहे हैं।

सिडनी में प्रवासी भारतीयों के बीच सबद कीर्तन का आयोजन ● जागरण

एक नजर

प्रवासी दिवस के बाद छूटेंगे सीज आटो

वाराणसी : शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई क्यूआर कोड व्यवस्था के बाद अब कार्रवाई का डंडा चला। एसपी ट्रैफिक सुरेश चंद्र रावत के नेतृत्व में बेनियाबाग क्षेत्र में अवैध आटो की पहचान कर करीब 40 आटो को सीज किया गया। इस दौरान 15 आटो जिनके पास सिटी परमिट तो था लेकिन क्यूआर कोड नहीं उनपर 500 रुपये का चालान किया गया। एसपी ने बताया कि इस कार्रवाई में जो भी आटो सीज हो रहे हैं उन्हें प्रवासी भारतीय दिवस के बाद ही छोड़ा जाएगा। (जासं)

प्रदर्शनी में निर्वाचन आयोग का लगेगा स्टॉल

वाराणसी : प्रवासी भारतीय दिवस के तहत होने वाला सम्मेलन इस बार बनारस में हो रहा है। 2019 का लोकसभा चुनाव भी सिर पर आ गया है। चुनाव आयोग भी अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मेलन को लक्ष्य किया है। बड़ा लालपुर स्टेडियम के समीप लगने वाली प्रदर्शनी में चुनाव आयोग की ओर से एक स्टॉल लगाने की योजना है। स्टॉल पर मतदान से लगायत लोकतंत्र में जनता के अधिकार की बाबत जागरूक किया जाएगा। (जासं)

क्यूआरटी करेगी डैमेज कंट्रोल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : अभी तक पुलिस प्रशासन ने विषम परिस्थितियों में तत्काल राहत देने के लिए क्यूआरटी यानी क्विक रिलीफ टीम का गठन किया था लेकिन देश के सम्मान से जुड़े आयोजन प्रवासी सम्मेलन में उपजे किसी प्रकार की दुर्व्यवस्था से निबटने के लिए पीडब्ल्यूडी ने भी क्यूआरटी का गठन किया है। यह टीम व्यवस्था डैमेज की सूचना मिलते ही तत्काल सक्रिय हो जाएगी और आम दिनों में जो काम घंटों में पूरा किया जाता है उसे मिनटों में कर देगी।

नव गठित टीम को बड़े-बड़े टॉस्क दिए गए हैं। टेंट सिटी से लगायत प्रवासी भारतीयों के भ्रमण की राह में किसी प्रकार की बांधा न पहुंचे, इसका ख्याल रखने को कहा गया है। टॉस्क की चुनौती को देखते हुए कई टीमें बनाई गई हैं। मसलन, टेंट सिटी, नगर की प्रमुख सड़कों, पर्यटन स्थलों को ध्यान में रखते हुए आधा दर्जन क्यूआरटी का गठन किया गया है।

आधुनिक संसाधनों से लैस

क्यूआरटी को आधुनिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। टीम के नई मिनी ट्रक दी जाएगी जिस पर मरम्मत के सभी उपकरण व औजार मौजूद रहेंगे। ट्रक पर डिवाइडर दुरुस्त करने वालों से लगायत सड़क, पटरी, नाली, पाइप, लाइट आदि के तकनीकी विशेषज्ञ सवार रहेंगे। मोबाइल कंट्रोल रूम होगा जिसकी कमान पीडब्ल्यूडी के तीन अभियंताओं के पास होगी। तीनों अभियंताओं का मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया जाएगा ताकि उपजी दुर्व्यवस्था की जानकारी मिल सके।

नई सोच

Pravasi Bharatiya Divas

- पुलिस की तर्ज पर पीडब्ल्यूडी ने की क्विक रिलीफ टीम का गठन, व्यवस्था बिगड़ी तो तत्काल सक्रिय
- टेंट सिटी समेत प्रवासियों के रास्ते में तैनात की जाएगी क्यूआरटी
- प्रवासी सम्मेलन में दस्ता के उद्देश्य की सफलता देगी स्थायित्व

प्लम्बर के लिए जल निगम से उम्मीद

लोक निर्माण विभाग में पहले पेयजल व सीवर लाइनों को दुरुस्त करने के लिए प्लम्बर होते थे लेकिन वक्त बीतने के साथ ही यह पद खाली पड़ गया है। ऐसे में विभाग की नव गठित क्यूआरटी में इस विधा के दक्ष कर्मी नहीं मौजूद हैं। विभागीय अफसरों ने जल निगम से उम्मीद जताई है। कहना है कि जल निगम से दक्ष प्लम्बर मिल जाएं तो क्यूआरटी पूर्ण हो जाएगी। फिलहाल लोक निर्माण विभाग के अधिकारी जल कल विभाग के ऊपर ही इस मामले में निर्भर है। अभी तक जल कल विभाग की तरफ से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है।

पर्यटन स्थल सारनाथ में लगने लगा हेरिटेज पोल

जासं, वाराणसी : पर्यटन स्थल सारनाथ की सड़कों के दोनों तरफ हेरिटेज पोल लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां पर लगभग 325 पोल लग रहे हैं। जल्द ही सारनाथ एलईडी की रोशनी से रोशन होगा। आगामी 21, 22, 23 जनवरी को आने वाले प्रवासी भारतीयों के मद्देनजर सारनाथ की सड़कों पर हेरिटेज पोल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। हेरिटेज पोल अकाशवाणी तिराहे से प्राचीन तिब्बती बौद्ध मंदिर, मुख्य चौराहा से संग्रहालय तक सड़कों के दोनों तरफ लगाया जा रहा है। साथ ही जापानी बौद्ध मंदिर एंव रेलवे स्टेशन मार्ग पर भी हेरिटेज पोल लगाया जा रहा। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग यह काम करा रहा है। इसे एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा।

लालपुर आवासीय योजना की कालोनी दिखेगी अलग

जासं, वाराणसी: प्रवासी भारतीय सम्मेलन के चलते वीडीए की लालपुर आवासीय योजना की पूरी कालोनी बदला-बदला दिखाई पड़ेगा। बेहतर साफ-सफाई के साथ पार्कों को बेहतर बनाने का काम शुरू हो गया है। घरों की दिवारों को रंगते हुए आकर्षक चित्रकारी करने का काम वीडीए करा रहा है। इसको लेकर कालोनीवासियों में काफी उत्साह है। प्रवासी भारतीय सम्मेलन के ज्यादातर कार्यक्रम ऐढे गांव और लालपुर आवासीय योजना फेज-1 में होगी। ऐसे में जिला प्रशासन और वीडीए का पूरा फोकस इन्हीं स्थानों पर है। ट्रेड फैसिलिटी सेंटर के सामने वीडीए पार्कबनवा रहा है। उसी में पानी टंकी है उसे बेहतर रंगों से चित्रकारी की जा रही है जो लोगों को आकर्षित करे। वीडीए के जोनल अधिकारी राजकुमार ने बताया कि पूरे वीडीए कालोनी की सीवेज व्यवस्था को गोइठहां एसटीपी से जोड़ने के साथ ही कालोनी की सड़कों को बनाया जा रहा है। सीवेज का 30 फीसद काम पूरा हो चुका है। स्टेडियम और उसके आसपास क्षेत्रों को बेहतरीन ढंग से चमकाया गया गया है।

नव वर्षोत्सव में झलकी विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृति का समागम

जासं, वाराणसी : भारत विकास परिषद काशी शाखा की ओर से शनिवार को छावनी क्षेत्र के एक होटल में आयोजित नव वर्ष अभिनंदनोत्सव प्रवासी भारतीय दिवस को समर्पित रहा। इसमें फैशन शो, गीत-नृत्य व खेलों में 12 देशों की कला-संस्कृति का समागम कराया गया। प्रांतीय अध्यक्ष सुदीप टंडन व राष्ट्रीय मंत्री ब्रह्मानंद पेशवानी, काशी शाखा अध्यक्ष शैलेन्द्र रस्तोगी, महिला संयोजिका डा. रूबी साह ने शुभारंभ किया। डा. रवींद्र शाह, अनिता भालोटिया, गीता चोपड़ा ने प्रस्तुतियां दीं। उपाध्यक्ष रजत मोहन पाठक ने स्वागत, पर्यवेक्षण दीपक माहेश्वरी व संयोजन शालिनी मेहरोत्रा, हिना मेहरोत्रा, दिनेश गर्ग ने किया।

कवायद | काम संतोषजनक नहीं होने पर केंद्रीय टीम ने जताई थी नाराजगी

ईएसआइसी अस्पताल में तैयारियां जोरों पर

- 15 जनवरी तक केंद्रीय टीम ने मांगी रिपोर्ट, अगले सप्ताह फिर आ रही है टीम
- सम्मेलन से पहले ईएसआइसी अस्पताल व सुपर स्पेशिलिटी सेंटर के कामों को पूरा करने की तैयारी

जागरण संवाददाता, वाराणसी: प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बीच ईएसआइसी अस्पताल और सुपर स्पेशिलिटी सेंटर का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पण कराने को लेकर तैयारी जोरों पर है। कार्यदायी एजेंसी को मजदूरों की संख्या बढ़ाने के साथ 15 जनवरी तक प्रमुख कामों को पूरा करने को कहा गया है। कम समय को देखते हुए कुछ कामों को रात-दिन कराया जा रहा है जिससे जल्द से जल्द काम पूरा हो सके। ईएसआइसी के उच्च अधिकारी रोज कामों की मानीटरिंग कर रहे हैं।

प्रवासी भारतीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। इस दौरान ईएसआइसी अस्पताल और सुपर स्पेशिलिटी सेंटर का लोकार्पण करने की तैयारी की गई है। समय पर काम पूरा हो सके इसको लेकर पिछले दिनों श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सचिव हीरालाल श्यामरिया ने राज्य कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआइसी) के निर्माणाधीन भवन का काम संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को हिदायत देते हुए 31 दिसंबर तक प्रमुख कामों को पूरा करने का निर्देश दिया था।

15 जनवरी तक काम पूरा करते हुए रिपोर्ट मांगी है लेकिन उसके सापेक्ष काम अभी पूरा नहीं हो सका है। अगले सप्ताह केंद्रीय टीम फिर काम की प्रगति देखने आने वाली है, इसको लेकर स्थानीय अधिकारियों में हड़कंप मचा है।

नहीं हटा कूड़ा घर और अतिक्रमण

निरीक्षण के दौरान सचिव ने ईएसआइसी अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रवेश द्वार के सामने नगर निगम ने कैसे कूड़ा घर बना लिया, कहा थे आप लोग, क्यों नहीं रोका। जिलाधिकारी से मिलकर तत्काल कूड़ा घर और अतिक्रमण हटवाएं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, मीरजापुर

पत्र संख्याः नं–155/2018 दिनांकः दिसम्बर 29, 2018

अल्पकालिक नीलामी की विज्ञप्ति

पुलिस लाइन परिसर, परेड ग्राउण्ड व कैम्प कार्यालय–पुलिस अधीक्षक, मीरजापुर में उपलब्ध कतिपय वृक्षों (यूकेलिप्टस–14, सागौन–1, सेमल–4, बेल–3, आम–2, जामुन–1, पीपल–1) की सार्वजनिक नीलामी के लिए दिनांक 16.01.2019 (प्रातः 10.00 बजे से) की तिथि नियत करते हुए एक समिति गठित कर जनपद मीरजापुर की पुलिस लाइन में नीलामी कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। इच्छुक फर्म/व्यक्ति/ठेकेदार नियत तिथि को प्रातः 10.00 बजे पुलिस लाइन, जनपद–मीरजापुर में उपस्थित होकर जमानत की धनराशि रू0 10,000/– (दस हजार मात्र) जमा करके नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है।

UP-136018 दिनाँक 03.01.2019 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

पुलिस अधीक्षक
मीरजापुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–वाराणसी

पत्रांकः 2185/ग्रा0अ0वि0/ई–निविदा/2018–19 दिनांकः 29.12.2018

ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा

1. महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग–वाराणसी द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए/बी/सी/डी श्रेणी में अर्ह ठेकेदारों से प्रेषित दर के आधार पर आन–लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि आई0टी0बी0 की धारा–4 के अनुसार कार्य प्राप्त करने के सम्बन्ध में न्यूनतम अर्हता रखता हो।
2. वाणिज्य कर

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की तिथि	निविदा प्राप्त करनें का मूल्य	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी कार्यालय का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	वाणिज्य कर भवन, चेतगंज वाराणसी में पेंटिंग/मरम्मत कार्य	33.23	1.6615	3 माह	300+18% जी0एस0टी +500 (स्टे0) =854.00	विकास भवन वाराणसी	पाण्डेयपुर वाराणसी	कलेक्ट्रेट वाराणसी

4. निविदा सूचना एवं बिड डाक्यूमेन्ट (टी–1) आन–लाइन दिनांक 10.01.2019 से दिनांक 25.01.2019 तक ई–टेण्डरिंग पोर्टल http://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है जो आन–लाइन http://e-tender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।
5. ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदाये डालने की अन्तिम तिथि 25.01.2019 समय अपरान्ह 4:00 बजे तक एवं टेक्निकल क्वालिफिकेशन पार्ट दिनांक 30.01.2019 को समय अपरान्ह 12:00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–वाराणसी में खोला जायेगा।
6. कार्य से संबंधित निविदा प्रपत्र वेबसाइट http://etender.up.nic.in से प्राप्त की जा सकती है। कार्य की तकनीकी निविदा अधिशासी अभियंता कार्यालय ग्रामीण अभियंत्रण विभाग प्रखण्ड वाराणसी में खोली जायेंगी।
7. वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा से संबंधित समस्त विवरण, विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डाक्यूमेंट आनलाइन देखे जा सकते है।

UP-135926 दिनाँक 01.01.2019 विज्ञापन वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड– वाराणसी।

कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद–सोनभद्र

सोशल आडिट टीमों के गठन हेतु विज्ञप्ति
(उ.प्र. सोशल आडिट संगठन (पंजीकृत सोसाइटी) के अधीन)

ग्राम पंचायतों में निर्दिष्ट योजनाओं यथा मनरेगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं अन्य के अन्तर्गत कराये गये कार्यों का सोशल आडिट करने हेतु ब्लाक स्तर पर 04 सदस्यीय सोशल आडिट टीमों के पैनल तैयार करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्नवत आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :–

1. प्रत्येक सोशल आडिट टीम में सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति / जनजाति तथा जाबकार्ड धारक श्रमिक अथवा उसके पात्र पुत्र / पुत्री प्रत्येक श्रेणी से एक–एक सदस्य होंगे। उक्त में से न्यूनतम एक सदस्य का महिला होना अनिवार्य है। महिला अभ्यर्थी के स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्य होने पर वरीयता दी जायेगी।
2. शैक्षिक अर्हता : हाईस्कूल उत्तीर्ण। हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर चयन समिति द्वारा शैक्षिक अर्हता शिथिलनीय।
3. निवास : सोशल आडिट टीम का सदस्य नामित होने हेतु उसी विकास खण्ड का निवासी होना अनिवार्य है।
4. आयु : 01 अप्रैल, 2019 को 40 से 65 वर्ष के मध्य।
5. सोशल आडिट टीमों के सदस्यगण सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मात्र 31 मार्च, 2020 तक के लिए पैनल पर नामित किये जायेंगे। इस तिथि के बाद यह पैनल स्वतः समाप्त हो जायेगा।
6. पैनल पर नामित सदस्यगणों से केवल आवश्यकतानुसार सोशल आडिट हेतु उनकी सेवायें प्राप्त की जायेंगी। यह भी सम्भव है कि कतिपय मामलों में अपरिहार्य कारणों से सदस्यगणों से सोशल आडिट का कार्य न लिया जा सके। सोशल आडिट का कार्य न लिये जाने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार का व्यवसायिक शुल्क अनुमन्य न होगा।
7. सोशल आडिट के वास्तविक रूप से सम्पन्न होने पर सोशल आडिट के प्रत्येक सदस्य को प्रति सोशल आडिट रु. 500/– व्यवसायिक शुल्क के रूप में अनुमन्य होगा।
8. सोशल आडिट टीम के सदस्यों की सेवायें पूर्णतया सामाजिक कार्य है। यह किसी भी प्रकार की नौकरी नहीं है, और न ही इसके भविष्य में किसी प्रकार की नौकरी की हकदारी बनेगी।
9. टीम के सदस्य हेतु आवेदन पत्र खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय या जिला विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है, अथवा संगठन की वेबसाइट www.socialauditup.in से डाउन लोड किया जा सकता है।

"सोशल आडिट टीम का सदस्य" हेतु आवेदन पत्र

1. विकास खण्ड .... 2. ग्राम पंचायत ....
3. अभ्यर्थी का नाम : .... 4. पिता/पति का नाम ....
5. जन्म तिथि : .... 6. शैक्षिक अर्हता ....
7. श्रेणी (सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/ जनजाति, जाबकार्ड धारक श्रमिक अथवा उसका पात्र पुत्र/पुत्री)
8. सोशल आडिट टीम के सदस्य के रूप में पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त किया है : हाँ / नहीं
प्रशिक्षण प्राप्त करने का वर्ष –
9. निवास का पता व मोबाईल नं. ....
दिनांक : .... अभ्यर्थी का हस्ताक्षर

11. जिला विकास अधिकारी कार्यालय में आवेदन–पत्र पहुंचने की अन्तिम तिथि 17 जनवरी, 2019 है।

प. 2434/सो.आ./2019, दि. 4.1.2019

जिलाधिकारी
सोनभद्र

कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद- बलिया

सोशल आडिट टीमों के गठन हेतु विज्ञप्ति
(उ0प्र0 शोशल आडिट संगठन, (पंजीकृत सोसाइटी) के अधीन)

ग्राम पंचायतों में निर्दिष्ट योजनाओं यथा मनरेगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा अन्य के अर्न्तगत कराए गए कार्यों का सोशल आडिट करने हेतु ब्लाक स्तर पर 04 सदस्यीय शोशल आडिट टीमों के पैनल तैयार करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्नवत आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है:–

1. प्रत्येक शोशल आडिट टीम में सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति, तथा जाबकार्ड धारक श्रमिक अथवा उसके पात्र पुत्र/पुत्री–प्रत्येक श्रेणी से एक–एक सदस्य होंगे। उक्त में से न्यूनतम एक सदस्यय का महिला होना अनिवार्य है। महिला अभ्यर्थी के स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्य होने पर उसे वरीयता दी जाएगी।
2. शैक्षिक अर्हता:– हाईस्कूल उत्तीर्ण। हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर चयन समिति द्वारा शैक्षिक अर्हता शिथिलनीय।
3. निवास:– सोशल आडिट टीम का सदस्य नामित होने हेतु उसी विकास खण्ड का निवासी होना अनिवार्य है।
4. आयु:– 01 अप्रैल, 2019 को 40 से 65 वर्ष के मध्य।
5. सोशल आडिट टीमों के सदस्यगण सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मात्र 31 मार्च, 2020 तक के लिए पैनल पर नामित किए जाएंगे। इस तिथि के बाद यह पैनल स्वतः समाप्त हो जायेगा।
6. पैनल पर नामित सदस्यगणों से केवल आवश्यकतानुसार शोशल आडिट हेतु उनकी सेवाएं प्राप्त की जाएंगी। यह भी सम्भव है कि कतिपय मामलों में अपरिहार्य कारणों से सदस्यगणों से सोशल आडिट का कार्य न लिया जा सके। शोशल आडिट का कार्य न लिए जाने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार का व्यवसायिक शुल्क अनुमन्य न होगा।
7. सोशल आडिट के वास्तविक रूप से सम्पन्न होने पर सोशल आडिट टीम के प्रत्येक सदस्य को प्रति सोशल आडिट रू0 500/– व्यवसायिक शुल्क के रूप में अनुमन्य होगा।
8. सोशल आडिट टीम के सदस्यों की सेवाएं पूर्णतया सामाजिक कार्य है। यह किसी प्रकार की नौकरी नहीं है और न ही इससे भविष्य में किसी प्रकार की नौकरी की हकदारी बनेगी।
9. टीम के सदस्य हेतु आवेदन पत्र खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय या जिला विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है अथवा संगठन की वेबसाइट www.socialauditup.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

"सोशल आडिट टीम का सदस्य" हेतु आवेदन पत्र

1– विकास खण्ड:.......... 2– ग्राम पंचायत:..........
3– अभ्यर्थी का नाम:.......... 4– पिता/पति का नाम:..........
5– जन्मतिथि:.......... 6– शैक्षिक अर्हता:..........
7– श्रेणी (सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति/जनजाति, जाबकार्ड धारण श्रमिक अथवा उसका पात्र पुत्र/पुत्री):..........
8– सोशल आडिट टीम के रूप सदस्य के रूप में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त किया है– हां/नहीं
प्रशिक्षण प्राप्त करने का वर्ष–
9– निवास का पता एवं मोबाइल नं0:..........
दिनांक..........
अभ्यर्थी का हस्ताक्षर..........

11– जिला विकास अधिकारी कार्यालय में आवेदन–पत्र पहुंचने की अन्तिम तिथि: 17 जनवरी, 2019 है।

पत्रांक: 433/सो.आ.नि.–319(II)/2017 दिनांक: 26 दिसम्बर, 2018

जिलाधिकारी
बलिया।

सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलाजी

(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)
बी–27, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ –226008,
दूरभाष–0522–2436910, ईमेलः cipetlko2@gmail.com, vtccipetlko@gmail.com

CIPET:IPT/LKO/VTC/Advt./2018-19/11 Date : 06.01.2019

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत सिपेट लखनऊ संस्थान में प्लास्टिक्स के क्षेत्र में निःशुल्क आवासीय रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ सुनिश्चित हुआ है। जिसके अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाया जाना है, जिसका विवरण निम्नवत है :–

रोजगारोन्मुख निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2018–19

क्र. सं.	सेक्टर	पाठ्यक्रम का नाम एवं कोड	अवधि	कुल सीटें	आयु	शैक्षणिक योग्यता
1.	प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग	Injection Moulding Machine Operations (PLA601)	1300 घण्टे	270	18–35 वर्ष	न्यूनतम 10 वीं पास
2.		Blow & Roto Moulding Machine Operations (PLA604)	1100 घण्टे			
3.		CNC Milling Programming & Operation for Plastics Industries (PLA704)	1100 घण्टे			

आवेदन कैसे करें– पात्र उम्मीदवार सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे– आधार कार्ड, पहचान का साक्ष्य, आयु का साक्ष्य, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता का साक्ष्य छः पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं बायोडाटा जिसमें अन्य सूचनाओं के साथ पत्राचार का पता व मोबाइल न0 लिखा हो उपरोक्त पते पर (रजिस्टर्ड डाक/कार्यालय में आकर) जमा करें। तथा साक्षात्कार के समय दस्तावेजों की मूल प्रति लाना अनिवार्य है।

- ❖ प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थी को निःशुल्क पाठ्य सामग्री, ड्रेस, आवास व तीनो समय का खाना आदि प्रदान किया जायेगा।
- ❖ **फार्म जमा करने की तिथि 11.01.2019 (11:00 बजे तक)**
- ❖ **साक्षात्कार की तिथि 11.01.2019 (12:00 बजे से)**
- ❖ **पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की तिथि 17.01.2019**
- ❖ सीटें सीमित हैं, प्रवेश साक्षात्कार के आधार पर किया जायेगा।

प्रधान निदेशक एवं प्रमुख

अधिक जानकारी के लिए : मो0 न0 7607194020, 7607194005, 9415760682 8858338408, 9839079682, 8709870822 पर संपर्क करे।